सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय-१

रविवार, १३ जुलाई, २००८ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण
BAPS

इस कोष्टक में
परिचय-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है ।

☞ **परीक्षार्थी के विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''कन्या को इस प्रकार मार डालने से तीन प्रकार की हत्या का पाप लगता है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''स्वामिनारायण ने बहुत सुन्दर कार्य किया है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''गधे का बोझ गधा ही उठाता है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. संतों और हरिभक्तों के साथ महाराज ने स्वयं मयाराम भट्ट का बाजरा काटा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. महाराज ने मुक्तानंद स्वामी और प्रेमानंद स्वामी को राधा और रुक्मिणी के विवाह के भक्ति-गीतों की रचना करने की आज्ञा दी ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. ''आप लोग कबूतर के कबूतर ही रहे'' ऐसा श्रीजीमहाराज ने परमहंसों से कहा ।

....

....

....

....

.... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए ।(१५ पंक्ति में) (कुल गुण : ५)

१. छः हेतु । २. गुणातीत की महिमा । ३. नर्क के कुण्ड खाली किये ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४		प्र-५	

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीजीमहाराज गृहस्थों को किन पाँच पदार्थ त्यागने का नियम देते थे ? गुण : १ [ ]

.....

.....

२. एन्ड्र्यूज़ डनलोप की रक्षा श्रीजीमहाराज ने किस तरह की ? गुण : १ [ ]

.....

.....

३. श्रीजीमहाराज ने कौन से चारों हरिभक्तों को मेमका गाँव छोड़कर चले जाने की आज्ञा की ? गुण : १ [ ]

.....

.....

४. श्रीजीमहाराज ने दिव्य रुप में दर्शन देकर अपने प्राकट्य का क्या रहस्य बताया ? गुण : १ [ ]

.....

.....

५. श्रीजीमहाराज ने शिक्षापत्री कहाँ और कब लिखी ? गुण : १ [ ]

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज ने किस किस का परिवर्तन किया ? गुण : २ [ ]

(१) [ ] मगनीराम । (२) [ ] जगजीवन ।

(३) [ ] जोबनपगी । (४) [ ] शोभाराम ।

२. शूद्रों को द्विजत्व दिया । गुण : २ [ ]

(१) [ ] गाँव में कोई ब्राह्मण या वैश्य नहीं है । (२) [ ] विशुद्ध आचार विचारवाले आदर्श भक्त बने ।

(३) [ ] ब्राह्मणों जैसी विद्धता आएगी । (४) [ ] महाराज तीन दिन रहे ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीजीमहाराज ने अठ्ठारह परमहंसों को दिक्षा देकर ..... का अहंकार गला दिया । गुण : १ [ ]

२. आत्मानंद स्वामी ..... कहे जाते थे । गुण : १ [ ]

३. महाराज ने परमहंसों को सम्बोधित करते हुए पत्र लिखा, 'निर्मान, ... निर्लोभ, नि:स्नेह और नि:स्वाद वर्तमान नियम का दृढ़तापूर्वक पालन करना ।' गुण : १ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६		प्र-७	

४. सं. १८८६ ..... के दिन महाराज ने देह का त्याग किया । गुण : १

५. श्रीजीमहाराज ने ..... को अक्षरधाम का पुरुस्कार देने को कहा था । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''शास्त्रीजी महाराज का संग रखना और जो वे कहे वह करना ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

२. ''मैं साधुओं के रहने के लिए अपना दरबार देने को तैयार हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

३. ''स्वामिनारायण के साधु प्रेमानन्द का संगीत सुनने के पश्चात् और किसी का संगीत सुनने का मन नहीं होता ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज ने लाडुबा और जीवुबा के यहाँ दस-दस दिन भोजन करने का प्रारम्भ किया ।

..... गुण : २

२. जागा भक्त ने शास्त्रीजी महाराज को तार करके तुरन्त डांगरा बुलवाया ।

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) (कुल गुण : ५)

१. सच्चे उपासक नित्यानंद स्वामी । २. आज्ञापालक जागा भक्त । ३. मूलजी ब्रह्मचारी की निर्दोष बुद्धि ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. प्रेमानन्द स्वामी के अन्य दो नाम लिखिए । गुण : १

.....

.....

२. लाडूबा जीवुबा और अन्य महिलाओं ने घोड़ी की वृत्ति खींच रखी थी, इस पर प्रेमानन्द स्वामी ने किस भजन की रचना की । गुण : १

.....

.....

३. कृष्णजी अदा ने हिमराजभाई के साथ सदा के लिए सम्बन्ध क्यों तोड दिया ? गुण : १

.....

.....

४. जागा भक्त के मुख से कौन से दो वचनामृत सुनकर कमलनयन शास्त्री को हृदय में शान्ति हुई ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ११ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : अयोध्याप्रसादजी महाराज ।

१. यदि तुम धर्म-नियम का पालन सुन्दर रीति से करो तो मैं यहाँ रह सकती हूँ । **२.** अयोध्याप्रसादजी महाराज को पीठ पर सांप ने दंश मारा । **३.** अयोध्याप्रसादजी महाराज विद्वान थे, कवित्वशक्तिवाले और स्थापत्य में रुचि रखते थे । **४.** आपने पंद्रह दिनों से कुछ खाया नहीं है । कृपया कुछ ग्रहण कीजिए । **५.** अयोध्याप्रसादजी महाराज वरताल देश के आदि आचार्य थे । **६.** सभी बाई-भाई धर्म के नियमों का पालन करते रहें और श्रीजीमहाराज का भजन-स्मरण निरन्तर करते रहें । **७.** आचार्य महाराज के पुत्र श्रीकेशवप्रसादजी महाराज का अन्त:करण स्वामी की बातों में रंग गया । **८.** गुणातीतानंद स्वामी ने अयोध्याप्रसादजी महाराज के आग्रह से सोने के थाल में भोजन पात्र रखकर दूधपाक खाया और अपना नियम रखा । **९.** वे आजन्म सत्संग के उत्कर्ष के लिए प्रयत्नशील रहे । **१०.** उनके पिता का नाम रामप्रतापभाई और माता का नाम सुवासिनीबाई था ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. गोपीनाथजी प्रतिदिन मूर्ति में से साक्षात् प्रकट होकर प्रेमानन्द स्वामी को अपने हाथों से हार पहनाते । ☐ गुण : १

.....

२. लक्ष्मीवाड़ी में श्रीजीमहाराज का अन्तिम संस्कार किया गया था, उस स्थल पर मन्दिर बनवाने में दाद्माखाचर का मुख्य सहयोग था । ☐ गुण : १

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

३. जीवाखाचर ने महाराज से गढ़डा में मन्दिर बनवाने का आग्रह किया । | | | गुण : १ | |

.....

४. लाडूबा ने शास्त्र में जो लिखा है, वो सत्य है ऐसी सत्यता की प्रतिती स्वामी सच्चिदानन्द के द्वारा हुई । | | | गुण : १ | |

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. B.A.P.S. की प्रगति का रहस्य - संप, सुहृदयभाव और एकता । २. बालको के जीवन निर्माता प्रमुखस्वामी महाराज ।
३. ज्ञान और भक्ति का पोषक - आहिनक ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें